Krishi Kumbh
Online E-Magazine
Www.KrishiKumbh.Com

कृषि कुंभ

E-ISSN: 2582-9769

कृषि कुंभ
हिंदी मासिक पत्रिका

खण्ड 05 भाग 02, (जुलाई, 2025)
पृष्ठ संख्या 31–33

कृषि अपशिस्ट से प्राकृतिक रंग

रंजना कुमारी, संगीता देव, श्रद्धा कुमारी, सविता कुमारी, वीणा शाही एवं सुधानंद प्रसाद लाल

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय,
पूसा, समस्तीपुर (बिहार), भारत।

Email Id: –kumariranjanaaicrp@gmail.com

परिचय

कृषि अपशिष्ट से प्राकृतिक रंग निकालकर कपड़ों को रंगना एक पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ तरीका है, यह सिंथेटिक रंगों का यक बेहतर विकल्प है, और यह कृषि अपशिस्ट को उपयोगी बनाने मे मदद करता है। प्राकृतिक रंग बनाने के लिए फल, सब्जी, फूल एवं छाल का उपयोग भी किया जाता है, जैसे–अनार के छिलके, हल्दी, प्याज के छिलके, सिंदूर का फल गेंदे का फूल, लीची का पत्ता, चुकंदर एवं गुलाब के फूल पंखुरी का प्रयोग किया जाता है। रंग को पक्का करने के लिए नमक और सिरका दोनों का प्रयोग कर सकते है।इसे मॉडरेंट भी कहा जाता है। नमक फलों और जामुन से बने रंगों के लिए है, और सिरका पौधों से बने रंगों के लिए है।

कृषि अपशिष्ट और उनसे प्राप्त रंग

स्त्रोत (कृषि अपशिष्ट)	रंग
✓ **गेंदे का फूल**	पीला
✓ **अनार के छिलके**	गहरा भूरा
✓ **प्याज के छिलके**	पीला– भूरा
✓ **हल्दी**	पीला
✓ **चुकंदर का छिलका**	गुलाबी– लाल
✓ **गुलाब के फूल की पंखुरी एवं गुड़हल**	लाल
✓ **लीची का पत्ता**	गहरा भूरा
✓ **सिंदूर का फल**	नांरगी

कृषि अपशिष्ट से प्राकृतिक रंग प्राप्त करने और कपड़ों पर रंगने की प्रक्रिया:–

सामग्रीः 1

- अनार के छिलके
- हल्दी
- प्याज के छिलके
- सिंदूर का फल
- गेंदे का फूल
- लीची का पत्ता
- चुकंदर
- गुलाब के फूल की पंखुरी एवं अरहुल

सामग्रीः 2

- सूती कपड़ा
- रेशमी कपड़ा या ऊनी कपड़े

सामग्रीः 3

- नमक
- सिरका

रंग निकालने की प्रक्रिया:

✓ **समग्री को तैयार करें:**सबसे पहले अनार के छिलके को धोकर सुखा लें और फिर पीसकर पाउडर बना लें।

✓ **रंग निष्कर्षण:** पाउडर को पानी में उबालें और रंग को पानी में घुलनेदें.

कपड़े को भिगोएं: कपड़े को रंग के घोल में भिगो दें ।

कृषि अपशिष्ट से प्राकृतिक रंग प्राप्त करने और कपड़ों पर रंगने की प्रक्रिया:–

- तैयार रंग घोल में कपड़ा डालें और धीमी आंच पर 30–60 मिनट तक उबालें।
- रंग को सेट करने के लिए इसे कुछ घंटोंतक या रातभर घोल में छोड़ दें।
- मॉडर्न का उपयोग (वैकल्पिक) कुछ प्राकृतिक रंगों को बेहतर रंग के लिए मॉडर्न का उपयोग करना आवश्यक हो सकता है।
- हल्के गुन गुने पानी से धोकर छायादार जगह में सुखाएं।

गुलाब की पंखुड़ियां से कपड़ों पर रंगने की प्रक्रिया:–

सामग्री

- गुलाब– 10 से 15, पानी एवं विनेगर

विधि:-

- गुलाब के फूल से उसकी सभी पंखुड़ियां निकालकर एक बाउल में रख लें और उसमें उचित मात्रा में पानी मिक्स करें।
- अब इसे एक घंटे तक उबालें।वहीं एक अलग बर्तन में सिरका डाले और उसमें उस कपड़े को रख दें, जिसे डाई करना चाहती हैं।
- एक कटोरे में गुलाब की पंखुडियों के रंगों को डाल दें और उसमें सिरके में डुबाए कपड़ों को मिक्स कर दें।

- गुलाब की पंखुड़ियों से बने रंग में कपड़े को एक घंटे के लिए सोक होने के लिए छोड़ दें।जब कपड़ें में रंग अच्छी तरह चढ़ जाए तो उसे डाई होने के लिए छोड़ दें।
- इस तरह गुलाबी कलर का रंग कपड़ों पर चढ़ जाएगा, यह काफी साइन करेगा।

हल्दी से कपड़ों पर रंगने की प्रक्रिया:–

सामग्री

- हल्दी एवं पानी

विधि:

- एक बर्तन में पानी लें और उसमें उचित मात्रा में हल्दी मिक्स करें। अब हल्दी वाले पानी को एक घंटे के लिए उबालें और इस पानी को एक बर्तन में ट्रांसफर कर लें।

- अब जिस कपड़े को डाई करना चाहती हैं उसे इसमें डाल दें और उसे एक घंटे तक सोक होने के लिए छोड़ दें।इसके बाद कपड़े को बालकनी में सूखने के लिए छोड़ दें।

चुकंदर से कपड़ों पर रंगने की प्रक्रिया:–

सामग्री

- चुकंदर–9 एवं पानी

विधि:

✓ सबसे पहले चुकंदर को छील लें और बारीक टुकड़ों में काट दें। अब इसे एक बर्तन में डालें और उसमें पानी मिक्स करें।

✓ एक घंटे के लिए इसे अच्छी तरह उबाल लें। अब इस पानी में उस कपड़ें को डालें जिसे आप डाई करना चाहती हैं।

✓ कपड़े को डालने के बाद एक घंटे के लिए सोक होने दें और फिर इसे सुखाएं।

बैंगनी गोभी से कपड़ों पर रंगने की प्रक्रिया:–

सामग्री

- लालगोभी एवं पानी

विधि

✓ लाल रंग की गोभी को बारीक काट कर रख लें और उसे एक कटोरे में ट्रांसफर करें।

✓ अब इसे पानी से भर दें और एक घंटे के लिए उबलने के लिए छोड़ दें।

✓ गोभी के उबलने के बाद एक बर्तन में इस पानी को निकाल लें। अब इस पानी में कपड़े को मिक्स करें और एक घण्टे तक सोक होने दें।

✓ एक घंटे बाद कपड़े को निकाल लें और अच्छी तरह सुखाएं।

प्याज के छिलके से कपड़ों पर रंगने कीप्रक्रिया:–

सामग्री

- प्याज के छिलके एवं पानी

विधि

✓ सबसे पहले प्याज के छिलके को निकाल कर एक बर्तन में रख लें और रातभर भिंगोकर रख दें।

✓ उसमें पानी मिक्स करें और एक घंटे तक उबलने के लिए छोड़ दें।

✓ अब इस पानी में छिलके को 2 घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें, अब जिस कपड़े को कलर करना चाहती है उसे मिक्स कर दें।

✓ कपड़ेमिक्सकरने के बाद एक घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें और फिर उसे सुखाएं।

उपयोग

✓ अनार के छिलके यह पीला, सुनहरा, और हरा रंग देता है।

✓ हल्दी यह पीला रंग देता है।

✓ अन्य रंग प्याज के छिलके से लाल रंग, जामुन से बैंगनी रंग और अन्य पौधों से विभिन्न रंग प्राप्त किए जा सकते हैं।

पर्यावरण के लिए लाभ

✓ पर्यावरण के अनुकूल प्राकृतिक रंग सिंथेटिक रंगों की तुलना में पर्यावरण के लिए सुरक्षित होते हैं।

✓ कृषि अपशिष्ट का उपयोग यह कृषि अपशिष्ट को उपयोगी बनाने का एक तरीका है।

✓ स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित प्राकृतिक रंग सिंथेटिक रंगों की तुलना में स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित होते हैं।

कृषि अपशिष्ट का उपयोग–

✓ यह कृषि अपशिष्ट को उपयोगी बनाने का एक तरीका है।

✓ स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित

✓ प्राकृतिक रंग सिंथेटिक रंगों की तुलना में स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित होतेहैं।

✓ कृषि अपशिस्ट से प्राकृतिक रंग निकाल कर कपड़े पर नैचुरल डाई करने की प्रक्रिया।

टिप्स

✓ अलग–अलग मोर्डेंट से अलग शेड्स मिल सकते हैं।

✓ सिरका या नमक से रंग को और स्थायी बनाया जा सकता है।